विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। –सुकरात

खेत, खेती और सेहत पर भारी पड़ता रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग

रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग खेत, खेती और सेहत पर भारी पड रहा है। देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग को इसी से समझा जा सकता है कि आजादी के समय 1950-51 में देश में 7 लाख टन रासायनिक उर्वरकों का उपयोग होता था। एक मोटे अनुमान के अनुसार आज देश में 335 लाख टन से अधिक रासायनिक उर्वरको का उपयोग हो रहा है। इसमें 75 लाख टन उर्वरकों का तो आयात करना पड रहा है। यूरिया से नाइट्रोजन चक्र प्रभावित होता है और उससे ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन बढ़ने से पर्यावरण प्रभावित होता है। दरअसल समस्या की जड़ दूसरी ओर है और वह यह कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग के स्थान पर आंख मींच कर अंधाधुंध उपयोग से अधिक हालात खराब हुए हैं। देश में उर्वरकों की खपत का विश्लेषण किया जाए तो केन्द्र शासित प्रदेशों सहित 797 जिलों में से केवल ओर केवल 292 जिलों में ही देश में उर्वरकों की कुल खपत की 83 फीसदी उर्वरकों की खपत हो रही है। यह अपने आप में गंभीर है। ऐसा नहीं है कि सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं है अपितु सरकार ने उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए ही 2004 में यूरिया के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के अध्ययन के लिए 'सोसायटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' की स्थापना की। दुनिया की सहकारी क्षेत्र की उर्वरक उम्पादक सहकारी समिति इफको द्वारा नैनो उर्वरक तैयार कर उनकी उपलब्धता व उपयोग बढ़ाने के प्रयास इसी दिशा में बढ़ते प्रयासों में से एक माना जा सकता है। रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के लिए केन्द्र व राज्यों के कृषि मंत्रालयों द्वारा सावचेत किया जाता रहा है पर यह नाकाफी होने के साथ ही सही मायने में प्रभावी तरीके से अवेयरनेस कार्यक्रमों का संचालन नहीं हो पा रहा है। आज पंच नदियों के प्रदेश में तेजी से जल स्तर कम होता जा रहा हे। पंजाब के लोग ही पंजाब में उत्पादित गेहूं को अन्य प्रदेशों में खपाने और दूसरे प्रदेशों से गेहूं मंगाकर उपयोग में लेने लगे हैं। इसी तरह से देश में कैंसर के सर्वाधिक मामलें पंजाब से आ रहे हैं। रासायनिक उर्वरक और जहरीले कीटनाशक इसके प्रमुख कारण किसी से अनजाने नहीं हैं। हो यह रहा है कि उर्वरकों के कारण मिट्टी के खेती में सहायक कीट नष्ट हो जाते हैं वहीं रासायनिक उर्वरक वर्षा आदि में बह कर नदी आदि प्राकृतिक जल स्रोतों को भी प्रदूषित कर देते हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से तैयार फसल के उपयोग से मानव ओर मवेशी दोनों के ही स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है।

दरअसल औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के साथ ही दुनिया के देशों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। खाद्यान्न संकट से निपटने और यों कहें कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरक बेहतर विकल्प के रुप में सामने आये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि कृषि उत्पादन बढ़ने के कारण ही आज दुनिया के देश खाद्यान्न संकट से मुकाबला करने की स्थिति में आ सके हैं। हांलाकि अब लगभग सभी देशों व विशेषज्ञों द्वारा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को शनैः शनैः कम करने पर जोर दे रहे हैं। परंपरागत और जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है।

रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग आज खेत, खेती, सेहत और पर्यावरण सब पर भारी पड रहा है। यह कोई हमारे यहां की ही समस्या नहीं अपितु रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग का दुष्प्रभाव दुनिया के समूचे देश भुगत रहे है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है तो पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड रहा है। यदि हम केवल और केवल हमारे देश की ही बात करें तो जो आंकड़ें सामने आ रहे हैं वे अत्यधिक चिंताजनक होने के साथ ही गंभीर भी है। रासायनिक खाद के बढ़ते इस्तेमाल के कारण देश की खेती योग्य भूमि में से 30 फीसदी भूमि बंजर होने की कगार पर पहुंचने लगी है। यह आंकड़ा कोई हवा-हवाई नहीं होकर 'सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरमेंट' की रिपोर्ट के अनुसार है। पंजाब, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में कृषि उपज की सेचुरेशन वाले हालात हमारे सामने हैं। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग का परिणाम जानलेवा कैंसर रोग का फैलाव सामने हैं। आज पंजाब और उससे लगते हिस्सों में कैंसर आम होता जा रहा है।

दरअसल औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के साथ ही दुनिया के देशों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग तेजी से बढा है। खाद्यान्न संकट से निपटने और यों कहें कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरक बेहतर विकल्प के रुप में सामने आये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि कृषि उत्पादन बढ़ने के कारण ही आज दुनिया के देश खाद्यान्न संकट से मुकाबला करने की स्थिति में आ सके हैं। हांलाकि अब लगभग सभी देशों व विशेषज्ञों द्वारा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को शनै: शनै: कम करने पर जोर दे रहे हैं। परंपरागत और जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है। भारत में भी जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है और 20 राज्यों में जैविक नीति लागू करने की पहल की है। खासतौर से उत्तर पूर्वी राज्यों को तो शत प्रतिशत जैविक खेती वाले प्रदेश बनाया जा रहा है। दुनिया के देशों में जहां भूटान जैविक खेती प्रदान देश है वहीं दुनिया में हमारा सिक्किम जैविक खेती के मामलें में अव्वल नंबर पर है। यह भी साफ होता जा रहा है कि जैविक और परंपरागत खेती की और बढना ही होगा पर इसमें कोई दो राय नहीं कि यह सब एक दिन में नहीं हो सकता इसके लिए चरणवद्ध प्रयास करने होंगे।

रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के दुष्परिणामों से बचने के लिए दोहरी और दूरगामी नीति बनाकर आगे बढना होगा। एक और जहां योजनावद्ध तरीके से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को आवश्यकता के अनुसार ही प्रयोग के लिए किसानों को प्रेरित करना होगा वहीं दूसरी और ओरगनिक व परंपरागत खेती को प्रोत्साहित करना होगा। इसके लिए आवश्यक हो तो बजटरी प्रोविजन अधिक करना पड़े तो सरकार को इसे दीर्घावधि निवेश मानकर ही किसी तरह का संकोच नहीं करना होगा। इसके लिए सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को भी अवेयरनेस प्रोग्रम चलाने होंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती आबादी और देश में खाद्यान्नों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सरकार को पूरी तरह से उर्वरकों के उपयोग को नकारने की गलती नहीं करनी होगी। बांग्लादेश की पिछले दिनों की गलती से भी सबक लेना होगा। कहने का अर्थ है कि एक और चरणवद्ध तरीके से रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग बढ़ाना होगा वहीं वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राजस्थान में मोदी की गारंटी ही मुख्य मुद्दा

विनोद पाठक

पिछले दो लोकसभा चुनावों में राजस्थान की 25 की 25 सीटें जीतने वाली भाजपा एक बार फिर क्लीन स्वीप का लक्ष्य लेकर मैदान में उतर चुकी है। हालांकि, अभी चुनाव की तिथियों की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन भाजपा ने राजस्थान में 15 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जिसमें केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल चार मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी और भूपेंद्र यादव को टिकट दिया गया है। राजस्थान में लोकसभा चुनाव 'मोदी की गारंटी' पर ही लड़ा जाएगा, यह शीशे की तरह साफ दिख रहा है। इसके अलावा, पानी, विकास जैसे कई मुद्दे ऐसे भी हैं, जो वोटरों को प्रभावित कर सकते हैं।

पहले प्रत्याशियों की घोषणा कर भाजपा ने एक तरीके से विपक्षी दल कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक बढत हासिल कर ली है। कांग्रेस अभी प्रत्याशियों के नाम और गठबंधन के उधेड़बुन में ही उलझी हुई है। कांग्रेस आदिवासी बेल्ट में भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) से गठबंधन के लिए लालयित नजर आ रही है। यूं भी लग रहा है कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल इंडि अलायंस के साथ जाकर कांग्रेस से गठबंधन कर सकते हैं। फिलहाल, कांग्रेस का प्रयास अपने बड़े चेहरों को चुनाव में टिकट देने का है, लेकिन बड़े नेता चुनाव लड़ेंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा भी राजस्थान में पहुंची है। उसका कितना असर चुनावों पर पड़ने वाला है, यह देखने वाला होगा, क्योंकि विधानसभा चुनाव से पहले भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के कई जिलों से गुजरी थी, लेकिन वोटों में भीड़ बदली नहीं थी। राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही भाजपा प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे और वोट मांगेंगे, यह स्पष्ट है। खासकर पिछले पांच साल में मोदी सरकार के जनहित में कराए विकास कार्यों को जनता को बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी खुद राजस्थान में पिछले कुछ महीनो में कई रैलियां कर चुके हैं। विकास की कई योजनाओं की उन्होंने सौगात दी है। फिर भी मरुभूमि में पानी, रोजगार, अपराध, सामाजिक सौहार्द, भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दे प्रमुख रूप से चुनाव में प्रभावी ढंग से उठाए जाने हैं।

राजस्थान में पानी को लेकर पहले भी चुनाव लड़े जाते रहे हैं। पिछले 5 साल से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पानी के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस में जमकर राजनीति हो रही थी। ईस्टर्न राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) पर कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वादा-खिलाफी का आरोप लगाते आ रहे थे। खासकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कह रहे थे कि प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा किया था। इस मुद्दे पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस से मोर्चा लिया हुआ था। यह मुद्दा कहीं न कहीं लोकसभा चुनावों में भी असर डालने वाला था, लेकिन जोधपुर से तीसरी बार प्रत्याशी बनाए गए शेखावत ने इस मुद्दे को कांग्रेस से छीन लिया है। उनकी पहल पर पार्वती-कालीसिंध-चंबल इंटर लिंकेज रिवर प्रोजेक्ट के साथ ईआरसीपी को जोड़ दिया गया है, जिसमें 90 प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार वहन करने वाली है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के 3 जिलों चूरू, झुंझुनूं और सीकर तक यमुना जल लाने के तीन दशक पुराने गतिरोध को भी शेखावत की पहल पर दूर किया जा चुका है। इसका प्रभाव शेखावटी क्षेत्र में देखने को मिलेगा।

राजस्थान में राम मंदिर एक बड़ा मुद्दा बनेगा। भाजपा इस मुद्दे को भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। राज्य के सभी क्षेत्रों से अयोध्या में रामलला के दर्शनों के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। बसों से भक्तों को भेजा जा रहा है। दरअसल, राजस्थान उन राज्यों में शामिल है, जहां वर्ष 1991 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिरने के बाद भाजपा की सरकार कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा बर्खास्त कर दी गई थी।राजस्थान की जनता भावनात्मक रूप से अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ी रही है और बड़ी संख्या में अयोध्या में कारसेवा के लिए यहां से लोग गए थे। 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी, तब राज्य में लोगों ने उत्सव मनाया था।

हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के कुराज, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा मुद्दा बनाया था। लोकसभा चुनाव में भी इन्हीं मुद्दों को लेकर भाजपा नेता कांग्रेस पर प्रहार कर रहे हैं। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में 17,000 करोड़ रुपयों की लागत वाली विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया था, तब भी उन्होंने कांग्रेस पर इन्हीं मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने यहां तक कहा था कि कांग्रेस के पास भविष्य का कोई भी रोडमैप नहीं है। दरअसल, राजस्थान में मुख्य लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है तो कांग्रेस के पिछले 5 साल के शासन की नाकामियों को उठाते हुए भी भाजपा जनता के बीच जा रही है।

चुनाव में मोदी सरकार के चार मंत्रियों की भी अग्निपरीक्षा है। खासकर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लोकसभा क्षेत्र जोधपुर पर सबकी निगाहें रहने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी फ्लैगशिप योजना जल जीवन मिशन का जिम्मा शेखावत के कंधों पर है। राजस्थान में जिस तरह से पानी के मुद्दे पर शेखावत ने पहल कर राजस्थान का मध्य प्रदेश और हरियाणा से समझौता कराया है, वो कितना वोटों में तब्दील होगा, यह भी देखने वाला होगा।

भाजपा ने जिन 15 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं, उसमें कुछ नए चेहरे भी हैं। कुछ पुराने चेहरों के टिकट काट दिए गए हैं। खासकर चूरू से राहुल कस्वां का टिकट काटना बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। कस्वां एक राजनीतिक परिवार से आते हैं और तीन दशकों से उनके परिवार का चूरू सीट पर दावा चला आ रहा था। यहां पार्टी ने पैरा ओलंपिक पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया को मौका दिया है। जालोर-सिरोही सीट से जमीनी नेता लुंबाराम चौधरी को टिकट दिया गया है, जबकि बांसवाड़ा से कांग्रेस से आए महेंद्रजीत सिंह मालवीय को चुनाव मैदान में उतारा है। नागौर में ज्योति मिर्धा को टिकट दिया गया है, जो पिछला विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर हार गई थीं। वो भी कांग्रेस से भाजपा में आई हैं। उदयपुर में पार्टी ने नए प्रत्याशी मन्नालाल रावत को मौका दिया है। अलवर से कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव को पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ाया जा रहा है। यादव बहुल अलवर सीट पर भूपेंद्र यादव की अग्नि परीक्षा होनी है।

राजस्थान में भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज लग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन-400 के लक्ष्य के लिए पार्टी को राजस्थान में वर्ष 2014 और 2019 जैसा प्रदर्शन दोहराने की जरूरत है। साफ है कि राजस्थान में चुनाव मोदी की गारंटी और भावनात्मक मुद्दे पर अधिक लड़ा जाएगा।

–विनोद पाठक,
वरिष्ठ पत्रकार।

'टाको' ने रणथंभौर नेशनल पार्क में वन्यजीव संरक्षण में सहायता के लिए सात पैट्रोलिंग वाहन लगाए

सवाई माधोपुर। वेदांता समूह की सामाजिक प्रभाव शाखा, एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) ने अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ) के सहयोग से एक प्रमुख एनिमल वेलफेयर पहल के तहत रणथंभौर नेशनल पार्क में सात पैट्रोलिंग वाहनों की तैनाती की है।

वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में टाको एंकर, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन और वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने आईएफएस के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और राजस्थान सरकार के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन (सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू), पवन कुमार उपाध्याय व अन्य फॉरेस्ट अधिकारियों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रणथंभौर नेशनल पार्क ने टाको द्वारा

- **वेदांता समूह की सामाजिक प्रभाव शाखा, एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) ने पैट्रोलिंग वाहनों की तैनाती की है**

पहले दिए गए 1 करोड़ रुपये के अनुदान का उपयोग, इन सात वाहनों की खरीददारी में किया है। इस पहल के साथ, टाको खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों और उनके आवासों की रक्षा करने में संरक्षणवादियों तथा फॉरेस्ट डिपार्टमेंट्स के प्रयासों में योगदान दे रहा है। वन्यजीव संरक्षण के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कार्यक्रम में रणथंभौर नेशनल पार्क के 6 वन अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

इस दौरान प्रिया अग्रवाल हेब्बर (एंकर, टाको, चेयरपर्सन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और निदेशक, वेदांता लिमिटेड), अनूप के आर (मुख्य वन संरक्षक, रणथंभौर नेशनल पार्क), आकर्ष हेब्बर (ग्लोबल एमडी, वेदांता सेमीकंडक्टर्स एंड डिस्प्ले), पवन कुमार उपाध्याय (आईएफएस, पीसीसीएफ और सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू, राजस्थान सरकार), रामानंद भक्कर (उप वन संरक्षक, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान), प्रमोद कुमार धाकड़ (उप वन संरक्षक, पर्यटन रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान) आदि मौजूद रहे।

प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने रणथंभौर नेशनल पार्क के वन अधिकारियों को सम्मानित किया।

सैन्य अभ्यास "धर्मागार्डियन" में बाज ने खोजे आतंकी और श्वानों ने छीने हथियार

बीकानेर, (निसं)। धोरों के बीच महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सैन्य अभ्यास के लिए बनाया यह काल्पनिक गांव चिड़ासर है। गांव के एक मकान में तीन आतंकियों ने ठिकाना बना रखा है। एक आतंकी इस मकान की तरफ जाने के रास्ते पर राइफल लिए पहरा दे रहा है। भारत और जापान की सैन्य टुकड़ी आतंकियों के खात्मे को आगे बढ़ रही है। दरअसल, यह दोनों देश की सेनाओं के चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास "धर्मागार्डियन" का दृश्य था। इस सैन्य ऑपरेशन में तकनीक के साथ ह्यूमन रिसोर्स की उपयोगिता को भी रेखांकित किया गया। मसलन, ड्रोन की जगह कैमरे लगा सेना का बाज, सैनिकों का आतंकी से सीधा सामना करने से पहले प्रशिक्षित डॉग से सामना करवाना।

जापानी सेना के कमांडर ने आतंकियों को सर्विलांस करने के लिए ड्रोन से पूरे क्षेत्र की रेकी करने का सुझाव दिया। लेकिन भारतीय कमांडर ने ड्रोन की आवाज से आतंकियों के अलर्ट होने का खतरा जताते हुए भारतीय सेना के प्रशिक्षित बाज "अर्जुन" को भेजने का सुझाव दिया। इसके बाद सिर पर कैमरा और पीठ पर जीपीएस चिप लगे बाज ने गांव का चक्कर लगाया और आतंकियों की सटीक पॉजिशन का पता चला। इसके बाद अगले आधे घंटे में क्रॉस फायरिंग,

- **संयुक्त सैन्य अभ्यास में जापान की 34वीं इन्फेंट्री रेजीमेंट तथा भारत की 19वीं राजपूताना राइफल्स बटालियन भाग ले रही है**

विस्फोट और सैनिकों के घायल होने से लेकर आतंकियों को ढेर करने के दृश्य देखने को मिले। सबसे पहले गांव के पास मैदान पर स्मॉक बम से धुंआ कर हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे 9 सैनिक उतरे। इनमें एक सैनिक की पीठ पर श्वान भी बंधा था। सैनिकों ने श्वान को खुला छोड़ा तो वह गांव का पहरा दे रहे आतंकी पर टूट पड़ा। उसे बुरी तरह घायल कर राइफल भी छीन लाया। दूसरी तरफ एक और हेलीकॉप्टर 9 सैनिकों को बैकअप देने के लिए पहुंचा। सैनिक 6-6 के समूह टारगेट वाले मकान की तरफ बढ़े। मकान के एक दरवाजे को विस्फोटक से उड़ा दिया। आतंकी ने मकान से फायर कर एक सैनिक को घायल कर दिया। तुरंत सेना की मेडिकल टीम पहुंची। फिर चारों तरफ से सैनिकों ने एक साथ आतंकियों पर हमला कर चारों को मार गिराया।

जानकारी के अनुसार 25 फरवरी से शुरू हुआ यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 9 मार्च तक चलेगा। इसमें जापान की 34वीं इन्फेंट्री रेजीमेंट तथा भारत की 19वीं राजपूताना राइफल्स बटालियन भाग ले रही है। चेतक कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नगेन्द्र सिंह भी इस दौरे में उपस्थित थे।

जापान आर्मी के लेफ्टिनेंट जनरल तोगासी यूईचव ने कहा कि सैनिक एक दूसरे के सैन्य ऑपरेशनल और रणनीतिक अनुभव साझा कर रहे हैं। ऐसे अभ्यासों से दोनों देशों के डिप्लोमेटिक रिश्तों में भी मजबूती आती है। धर्मागार्डियन संयुक्त अभ्यास का 5वां संस्करण है, जो संयुक्त राष्ट्र के अनुरूप अर्ध-शहरी वातावरण में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

हाईटेंशन लाइन से टकराकर दुर्लभ गिद्ध घायल

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के फतेहसर में बिजली की हाइटेंशन लाइन से टकराकर एक दुर्लभ प्रजाति का प्रवासी गिद्ध घायल हो गया। पर्यावरण प्रेमियों ने घायल गिद्ध को देखकर वन विभाग की टीम को सूचना दी। शहर से आई वन विभाग की टीम दुर्लभ गिद्ध को अपने साथ ले गई और उसका इलाज करवाएगी। पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह ने बताया कि देवीकोट के फतेहसर इलाके में हाइटेंशन लाइनों से टकराकर दुर्लभ गिद्ध घायल हुआ है। वहां ग्रामीण सोने खां और प्रवीणकुमार ने पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह भाटी को सूचना दी। जिस पर भाटी ने घायल गिद्ध की सुध ली और वन विभाग को सूचना दी।

सुमेर सिंह ने बताया कि उसकी गर्दन और पंखों में चोट आई है। हमने उसको वन विभाग को सौंपा है। अब

- **पर्यावरण प्रेमियों ने घायल गिद्ध को देख वन विभाग की टीम को सूचना दी**

वन विभाग उसका बेहतर इलाज करवा कर उसे सही करेगा। पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह ने बताया कि यूरेशियन ग्रिफॉन नामक दुर्लभ गिद्ध प्रवासी पक्षी है और सर्दियों में यहां प्रवास करता है। राजस्थान में यूरेशियन ग्रिफॉन कजाकिस्तान, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान से आते हैं। इनका प्रवास का रास्ता मध्य-पूर्व से दक्षिणी एशिया की ओर है। इस मार्ग को यूरेशियन ग्रिफॉन के अलावा अन्य प्रजातियां भी इस्तेमाल करती हैं। वहां ज्यादा ठंड होने पर ये प्रवास करके गर्म जगहों पर आते हैं। जैसलमेर में ये फतेहगढ़, लाठी आदि इलाकों में जहां पशु विचरण का इलाका ज्यादा है वहां ये ज्यादा पाए जाते हैं। जैसलमेर में बिजली की हाईटेंशन लाइनों से टकराकर इनके साथ लगातार हादसे हो रहे हैं। कई बार दुर्लभ पक्षियों ने अपनी जान भी गंवाई है। भाटी ने सरकार से मांग की है कि इस इलाके में चल रही हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत किया जाए ताकि इन पक्षियों को दर्दनाक हादसों से न गुजरना पड़े।

राशिफल

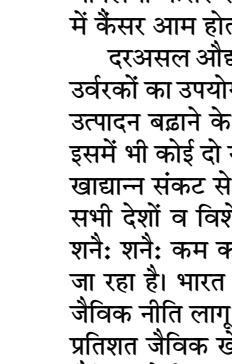

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 5 मार्च, 2024

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, मूल नक्षत्र सांय 4:00 तक, सिद्धि योग दिन 2:08 तक, गर करण प्रात: 8:05 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मेष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग प्रात: 8:05 से सांय 4:00 तक है। भद्रा रात्रि 7:18 असाम्भ होगी। आज श्री रामदास नवमी है। आज दशमी तिथि का क्षय हुआ है। आज स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:45 से 11:11 तक, लाभ-अमृत 11:11 से 2:05 तक, शुभ 3:32 से 4:59 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 6:26

मेष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता सफल रहे गी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।